522

दृष्टि The Vision

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate: IQABAL AHMAD		**Subject/Code:**	Essay.
UPSC Roll No: 6421410		**Date:**	25th Aug, 24
Drishti Id:		**E-mail Id:**	
Centre: 522 M.K. Nagar		**Medium:**	Hindi

Test Code: Essay-08

Time allowed: Three Hours *Maximum Marks: 250*

(To be filled by Evaluator only)		
	Max. Marks	**Marks Obtained**
	(Essay Topic No.)	(Marks)
Section-A		
Section-B		
Total		
Overall Feedback		

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only				
Time Taken	**Start Time:**	**End Time:**	**Student Signature**	
Mode of Examination	**Online**	**Offline**		

For Office Use Only				
Evaluators Code	**Evaluator Sign**	**Evaluation Date**	**Reviewers Code**	**Reviewers Sign**

Feedback

Sr. No	मापदण्ड/Parameters	Max. Marks	Section-A (Essay-1)	Section-B (Essay-2)
1.	**परिचय:** विषय और संलग्रता की स्पष्टता। **Introduction:** Clarity of theme and engagement.	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ सरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और पुष्टि/प्रमाणीकरण के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substantiation.	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep ***closely to the subject*** *of the essay to* ***arrange their ideas in orderly fashion*** *and to* ***write concisely.*** *Credit will be given for* ***effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के ***विषय के निकट*** *रखते हुए* ***क्रमबद्ध*** *करें तथा* ***संक्षेप*** *में लिखें।* ***प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों*** *के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो :

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: (125 × 2 = 250)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खंड-A/SECTION-A

Topic: 4. क्या मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है या ध्रुवीकरण का उत्प्रेरक ?

"मीडिया जनता के दिमाग को नियंत्रित करता है, और निर्दोषों को दोषी बनाने की शक्ति रखता है"।

—— "मैलकम एक्स"

मैलकम एक्स का उपर्युक्त कथन मीडिया के चौथे स्तम्भ होने के साथ ही मीडिया के उत्प्रेरक होने की शैली को संदर्भित करता है। मीडिया लोकतांत्रिकता के पूजाव्याख्या में नैतिकता का सकारात्मक बोध कराने वाला तथा लोकतंत्र को अक्षुण्ण रखने की प्रत्येक व्यक्ति की अभिव्यक्ति को दर्शाने वाली अपनी परम्परागत शैली में वर्तमान समय में कहीं न कहीं कमजोर

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh

Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

हुआ है।

'द हिंदू' के ग्रामीण मामलों के सम्पादक पी० साईनाथ (रमन-मैग्सेसे पुरस्कार-2017 से सम्मानित) ने अपनी रिपोर्टिंग में बताया की मीडिया की वजह से भारत के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में भी ध्रुवीकरण तीव्र रूप से देखा जा रहा है। बढ़ते तकनीकी संसाधनों ने मीडिया की पहुंच जहां सुदूर क्षेत्रों में की है वही पर नकारात्मक अभिवृत्तियां भी देखी जा रही हैं।

कोविड-19 के समय मुख्यधारा का मीडिया अपने लोकतांत्रिक उद्देश्यों से भटक गया था, जो इसके प्रमुख मीडिया प्रतिमान हैं जैसे जनता को जागरूक करना, सूचना प्रदान करना सरकार द्वारा की जा रही कार्यवाही से लोगों को अवगत करना आदि। परन्तु कोविड-19 के समय भारतीय मीडिया ने उपरोक्त मुद्दों को ध्यान न देकर ध्रुवीकरण के मुद्दे पर अधिक ध्यान दिया। मीडिया ने तबलीगी जमात को लेकर इस प्रकार से व्यवहार किया कि जैसे एक पूरे समुदाय को ही दोष दे रहा हो। सटीक रिपोर्टिंग का भी अभाव पाया गया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

किसी मस्जिद में ठहरे हुए व्यक्ति को 'छिपे हुए' के रूप में संबोधित किया गया जबकि गुरुद्वारा या मठों आदि में 'ठहरे हुए' व्यक्तियों के रूप में संबोधित किया गया जिसकी वजह से ध्रुवीकरण एवं आपसी संबंधों में तीव्र खटास आयी।

मीडिया लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में समाज को बेहतर राह दिखाता है तथा आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करके लोकतंत्र की जड़ों को मजबूती प्रदान करने में योग देता है। परन्तु अपने ध्रुवीकरण के कारण कई बार यह नकारात्मक अभिव्यक्ति के रूप में सामने आता है।

सितम्बर, 2020 में सुदर्शन न्यूज नामक मीडिया चैनल ने एक ऐसी ही ध्रुवीकरण वाली साम्प्रदायिक खबरों को प्रकाशित किया जिसका शीर्षक था, "भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में मुसलमानों की घुसपैठ"। भारत के सुप्रीम कोर्ट द्वारा तत्काल स्वत: संज्ञान लिया गया एवं ऐसी भ्रामक एवं तथ्यहीन खबर न चलाने की चैनल को वैधानिक चेतावनी दी गई एवं बाकी एपीसोड को कोर्ट द्वारा अपनी निगरानी में प्रसारित करवाया।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मीडिया जागरूकता के साथ ही अपराधों को रोकने के लिए भी बेहतर कार्यों का निर्वहन कर सकता है जो ध्रुवीकरण को रोकने की प्रक्रिया में बेहतर क्षमता प्रदर्शित कर सकती है।

कठुआ बलात्कार कांड, 2018 में सात हिंदू व्यक्तियों के द्वारा एक नाबालिग मुस्लिम लड़की का सामूहिक बलात्कार किया गया जिसमें मीडिया की पूर्वाग्रहपूर्ण रिपोर्टिंग के कारण ध्रुवीकरण की गंभीर स्थिति पैदा हुई, जिसमें मीडिया ने भ्रामक दावा किया कि यह हिंदू धर्म को फंसाने की साजिश के तहत फैलाया गया था।

कई बार मीडिया स्वतः ही कंगारू कोर्ट की भूमिका में आ जाता है। जो कि ध्रुवीकरण को बढ़ाता है तथा मीडिया संवेदनशीलता में कमी लाता है।

सुशांत सिंह राजपूत आत्महत्या मामले में भारतीय मीडिया ने लोकतांत्रिक मूल्यों को दूषित करते हुए स्वतः ही राय बनाने लगा तथा आत्महत्या को हत्या एवं दूसरों पर दोष देने लगा जिससे उनके अपने लोगों तथा देश एवं

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
drishti
Phone: 8750187501 :: **e-mail:** care@groupdrishti.in :: **Website:** www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

समाज में उथल-पुथल की स्थिति पैदा हुई।

मीडिया का प्रमुख कार्य 'सत्य' को बिना किसी लाग लपेट के प्रस्तुत करना है जिसमें सभी के भले एवं संज्ञानात्मक ज्ञान में वृद्धि को शामिल किया गया होना चाहिए।

1980 के दशक में एड्स नामक बीमारी को मीडिया ने अफ्रीकी देशों के साथ सटीकता से जोड़कर देखा जिसके कारण नस्लीय नृजातीय नकारात्मकता पैदा हुई तथा अन्य पश्चिमी देशों ने भेदभाव के रूप में अफ्रीकी लोगों को एड्स के लिए जिम्मेदार के तौर पर देखना शुरु कर दिया। जिसके कारण छुआछूत की प्रथा का जन्म हुआ जो आज भी किसी न किसी रूप में जारी है।

मीडिया सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति आभिव्यक्ति को प्रकट करने वाला भी होता है परन्तु अक्सर मीडिया लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत भी आचरण करता है।

भारतीय मीडिया अक्सर मुगल काल की साम्प्रदायिकता को बढ़ाने वाले तत्वों को 'हाईलाइट' करता है जो अक्सर

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ध्रुवीकरण को बढ़ावा देते हैं। जैसे - मुगल काल में मंदिरों को तोड़ा जाना, यहां तक की ताजमहल को तेजोमहालय बताना। परन्तु मीडिया मुगल काल के सांस्कृतिक तत्वों जैसे - स्थापत्य कला, संगीत में योगदान, दर्शन, भाषा, रचना आदि को नगण्य बताता है जिसके कारण ध्रुवीकरण की स्थिति पैदा हो जाती है।

मीडिया को लोकतंत्र का प्रहरी कहा जाता है क्योंकि यह जनता की आवाज को नीति-निर्माताओं के समक्ष रखता है तथा विभिन्न कानूनों एवं नैतिक प्रतिमानों की सकारात्मकता को पुष्ट करता है।

फ्रांसीसी व्यंग्य पत्रिका चार्ली हेब्दो द्वारा 2015 में हजरत मुहम्मद का एक विवादास्पद कार्टून छापा, ये पता होते हुए कि मुस्लिम किसी भी रूप में अपने पैगम्बर की छवि देखना पसंद नहीं करते हैं। फिर भी पत्रिका ने ऐसा किया, जिसका परिणाम ये हुआ कि कुछ चरमपंथियों ने पत्रिका के कार्यालय पर हमला करके

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
drishti
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

तीन लोगों की हत्या कर दी।

मीडिया की नीतियों में किसी भी समुदाय का सम्मान होना चाहिए एवं नैतिकता तथा निजता का सम्मान किया जाना चाहिए। मीडिया जहां वैश्विक परिदृश्य में एकजुटता पैदा करता है वहीं, लोगों को जागरुक भी करता है।

26/11 के मुम्बई हमलों तथा 1999 के कारगिल हमले में मीडिया ने कानून एवं नैतिक तत्वों का कम पालन किया तथा जागरुकता एवं ऐसी गोपनीयता जिससे की आतंकवादियों को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ हुआ जैसे कि यथा स्थिति के अनुरूप वहां की प्रत्येक घटना को प्रसारित किया गया जिससे आतंकवादियों को अपनी चाल बदलने में आसानी हुई एवं ध्रुवीकरण की व्यापक स्थिति को जन्म दिया। जिससे अधिक रूप से जन-धन की हानि हुई साथ ही अप्रत्यक्ष रूप से सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगी। परिचालन गतिविधियां भी मीडिया की अभिव्यक्ति को प्रभावित करती हैं तथा समाज में नकारात्मकता पैदा कर सकती हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

हलांकि पूर्ण रूप से यह नहीं कहा जा सकता है कि मीडिया च्युवीकरण को बढ़ावा देता है कुछ बेहतर प्रथाएं मीडिया को चौथा स्तम्भ मानने एवं उसके प्रधानतः मूल्यों यानी सत्य, सूचना, ज्ञान, संतुष्टि आदि को बेहतर प्रतिमान के साथ स्थापित करने में वर्तमान में भी योग दे रहे हैं।

आपरेशन दुर्योधन, कोबरा पोस्ट ने अपने स्टिंग आपरेशन में यह बताया कि कैसे कुछ सांसद धन लेकर संसद में सवाल पूछते हैं जो कि छोटी कैपिटल- एवं बड़े लोगों को आर्थिक लाभ पहुंचाता है जो कि एक सफेद पोश अपराध की श्रेणी में आता है। हलांकि इस खुलासे के बाद जांच करके 11 सांसदों को सदन से निष्कासित कर दिया गया।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पनामा पेपर लीक, 2016 मामले ने पत्रकारों की सूचना के आधार पर दुनिया भर के उद्योगपतियों, राजनेताओं, नौकरशाहों आदि की सच्चाई को उजागर किया है कि किस प्रकार इन लोगों ने भ्रष्टाचार किया है। तथा विदेशी कर चोरी एवं मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क का मीडिया द्वारा पर्दाफाश किया गया। मीडिया ने लोकतंत्र के मूल्यों की समय-समय पर पुष्टि की है जिसके आधार पर जनता का विश्वास आज भी कायम है।

कोल ब्लॉक आवंटन, 2012 द इंडियन एक्सप्रेस एवं द हिंदू ने कोयला ब्लॉक आवंटन में निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने की सूचना प्रकाशित की जिससे जनता में जागरूकता का प्रसार हुआ तथा सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लेकर कोयला ब्लॉक आवंटन की प्रक्रिया को रद्द कर दिया जिससे एक बड़े भ्रष्टाचार की रोक-थाम हो सकी।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

मीडिया गतिशीलता एवं सामाजिकता की ऐसी अवस्था को बेहतर कर सकता है जिसमें बेहतर न्याय के साथ ही जागरूकता भी शामिल है जिसकी एक बानगी दिल्ली में हुए निर्भया बलात्कार कांड से पुष्ट होती है।

उक्त जघन्य बलात्कार कांड में मीडिया द्वारा अपने लोकतांत्रिक मूल्यों का सकारात्मक इस्तेमाल किया गया एवं लोगों को इस सामाजिक बुराई से तथा निर्भीक रिपोर्टिंग करके सकारात्मक माहौल बनाकर जनता को आगाह एवं जागरूक किया गया। जिसके कारण सरकार पर दबाव पड़ा तथा तत्कालीन सरकार ने कड़ी कार्यवाही की और दोषियों को सजा के रूप में मृत्युदण्ड दिया तथा ऐसी ~~अमानवीय~~ जघन्य कार्यवाही को रोकने हेतु बहुत सारे महिला सुरक्षा उपाय एवं निर्भया कोष का भी गठन किया गया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मीडिया समय-समय पर बेहतर लोकतांत्रिक प्रतिमान स्थापित करता रहा है परन्तु कई बार यह अपने कर्तव्यों को और बेहतर नहीं कर पाता क्योंकि व्यवस्था लोकतंत्र में चुनी हुई सरकारें कुछ दबाव पैदा कर देती हैं।

जम्मू एवं कश्मीर - मीडिया नीति के तहत भारत सरकार द्वारा कहा गया कि विरोधी गतिविधियों एवं ऐसी खबरों के लिए कार्यवाही की जा सकती है जो सामंजस्य पूर्ण नहीं है जिसके कारण जांच हेतु स्वयं की उपस्थिति अनिवार्य होगी तथा सभी प्रकार की खबरें की रिपोर्टिंग मीडिया नीति-2020 के अनुसार ही होगी।

डिजिटल व्यक्तिगत डाटा प्रोटेक्शन अधिनियम, 2023 में कहा गया है कि निजी खबरों को प्रकाशित करने एवं खबरों को सेंसर करने व खुलासा करने की प्रथा अपनायी जानी चाहिए। जो कि एक लोकतांत्रिक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रूप को शैली नकारात्मक अभिव्यक्ति को संभवतः बढ़ावा समझा जा सकता है, जो कि भारतीय संविधान के मौलिक अधिकार में दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता {अनुच्छेद 19 (A)} को कहीं न कहीं रोकती है।

भारतीय मीडिया परम्परागत रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ ही बेहतर रचना साझाकरण, सकारात्मक नैतिक प्रतिमान, सत्य एवं ज्ञान के आदर्शों को जनता के समक्ष प्रस्तुत करता रहा है। परन्तु एक सिक्के के दो पहलू होते हैं — जैसे —

गांधी कहते हैं कि "प्रेस को चौथा स्तम्भ कहा जाता है। यह एक शक्ति अवश्य है, लेकिन इस शक्ति का दुरुपयोग करना अपराध है"।

जहां मीडिया ने अनेक अवसरों पर निष्पक्ष होकर कार्यवाही की है वहीं अवसर कहीं न कहीं

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अवलोकन करने पर यह अपने चौथे लोकतांत्रिक स्तम्भ को कमजोर साबित किया है जिसके कारण ध्रुवीकरण भी बढ़ा है। आवश्यकता है कि मीडिया को एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान किया जाना चाहिए जिसमें भारतीय सभ्यता की संस्कृति, भारतीय सामाजिक परम्परा एवं भारतीय मूल्यों की सकारात्मक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करने की मंशा हो। ऐसी प्रथाओं को पुरस्कृत भी किया जाना चाहिए।

"सूचना ही लोकतंत्र की वास्तविक मुद्रा है"।

— थामस जैफर्सन

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
drishti
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Topic: 6:

> जो हम देखते हैं वह प्रकृति नहीं है, बल्कि प्रकृति वह है जो हमारे प्रश्न पूछने के तरीके से प्रदर्शित होती है।

"दृश्यते अनेन इति दर्शनम्"

प्रत्येक के देखने की प्रकृति ही दर्शन का कहलाता है।

एक बार रामकृष्ण परमहंस जी ने अपने सभी शिष्यों से कहा कि कल सभी लोग अपने घरों से चावल चुरा कर लाओ परन्तु शर्त यह है कि कोई देखे नहीं।
अगले दिन सभी शिष्य चावल के साथ उपस्थित हुए, बालक नरेन्द्र को खाली हाथ देखकर परमहंस जी ने प्रश्न किया कि आप क्यों नहीं लाए।
बालक नरेन्द्र ने दृढ़तापूर्वक उत्तर दिया कि गुरु जी चावल चोरी करते समय मैं बार-बार स्वयं को देख पा रहा था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

यही बालक आगे चलकर प्रख्यात विद्वान एवं भारतीय दार्शनिक विवेकानंद कहलाया। देखने एवं प्रश्न पूछने तथा प्राकृतिक दर्शन की प्रक्रिया प्रत्येक काल में प्रत्येक समय में उपस्थित रही है।

प्रश्न पूछने तथा ज्ञान को समझने के साथ प्राकृतिक संतुलन बनाने की इस प्रक्रिया में वाद - एवं प्रतिवाद की शैली जहां पाश्चिमी अवधारणा में रही है वहीं सदियों से भारतीय सामाजिक संस्कृति का द्योतक रही है।

हीगल ने अपने प्राकृतिक दर्शन में ज्ञान एवं नैतिक आदर्शों की स्थापना करने में वाद — प्रतिवाद (Thesis & Synthesis) की अवधारणा प्रस्तुत की। जिसमें उसने कहा कि प्रत्येक चीज के पीछे एक वाद होता है तथा यह वाद प्रतिवाद को जन्म देता है यह प्रतिवाद एक नये रूप में नया वाद पैदा करता है जिससे प्रकृति निरंतर चलायमान होती रहती है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रश्न पूछने एवं उसके उत्तरों से प्रकृति को समझने की नैतिकता अनेक रूपों में भारतीय परिप्रेक्ष्य में शामिल होती है। चाहे वह नागसेन - मिनांडर की वार्ता हो, शंकराचार्य की चर्चा पर टीका हो, कबीरदास एवं गोरखनाथ का शास्त्रार्थ हो, मंडन मिश्रा का शास्त्रार्थ हो, लीलावती एवं उसके पिता का गणितीय पहेली हल करने का दृश्य हो, महावीर के ज्ञान की खोज हो या फिर बुद्ध को ज्ञान युगों-युगों से प्रश्न पूछने की यह प्रवृत्ति प्रकृति को समझने में पवित्र ज्योति के समान अखण्ड रूप से निरंतर ~~प्रज्वलित~~ प्रज्ज्वलित होती रही है।

सुकरात ने अपने वाद एवं प्रतिवाद में एथेंस के लोगों को बताया कि यदि ~~मनुष्य~~ प्रकृति को करीब से जानने की चेष्टा रखते हो तो एक ही

Copyright – Drishti The Vision Foundation

मंत्र है कि तुम अपने उत्तरों की खोज में लीन हो जाओ अधिक से अधिक प्रश्न करो। ये शैली स्वत: उत्तर देने में पूर्ण रूप से सक्षम है।

'बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिला कोय
जो मन देखा आपनो, मुझ से बुरा न कोय'।।

—— संत कबीर

कबीर कहते हैं कि देखना एवं देखने की प्रवृत्ति को शांत करना ही सच्चा ज्ञान है। अक्सर हम दूसरों की आलोचना करने लगते हैं परन्तु आंतरिक रूप से स्वयं को देखने की प्रवृत्ति हमारे प्राकृतिक प्रश्न को हल करके ज्ञान प्राप्ति में सहायक हो सकती है।

प्रश्न पूछने की अवधारणा में प्राकृतिक जिज्ञासा का समाधान छिपा हुआ होता है यह नजरिया प्रवृत्ति को जहां पोषण करता है वहीं नैतिक

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

रूप से मनुष्यों में सकारात्मकता का बोध कराने का हौसला रखता है।

"प्रकृति में सभी के लिए बहुत कुछ है, परन्तु किसी एक के लालच के लिए कुछ नहीं है"।

—— "महात्मा गांधी"

गांधी की उपर्युक्त व्याख्या प्राकृतिक नजरिये को पुष्ट करते हुए प्राकृतिक जीवन जीने, पर्यावरण की रक्षा, सतत विकास एवं उपभोक्तावाद से बचाव का दर्शन पैदा करती है।

प्रश्न पूछने की अभिव्यक्ति एवं प्रकृति परिवर्तन को प्रत्येक स्थिति परिस्थिति के अनुसार समझा जाना चाहिए। जो प्रत्येक अवस्था में मानव को ज्ञात रखना तथा अपने बचाव एवं प्राकृतिक नियमों के साथ सरलता तथा सहजता का बोध कराती है। प्रश्न पूछने एवं संतुलित जवाब देने की शैली में अक्सर प्राकृतिक दर्शन

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्पष्ट रूप से परिलक्षित होते लगते हैं।

"पहले वे समाजवादियों के लिए आये — मैंने आवाज नहीं उठाई क्योंकि मैं समाजवादी नहीं था,

फिर उन्होंने व्यापारी होने का प्रश्न किया — मैंने उत्तर नहीं दिया क्योंकि मैं व्यापारी नहीं था, —

तब उन्होंने यहूदी लोगों को पूछा — मैंने उत्तर नहीं दिया क्योंकि मैं यहूदी नहीं था,

फिर वे मेरे लिए आये — और तब बोलने वाला कोई बचा ही नहीं था"।

— "मार्टिन निमोलर"

कई बार हम ऐसे अवसर पर प्रश्न पूछने एवं उसके दर्शन की प्रकृति को समझ नहीं पाते हैं जिसके कारण हानि उठानी पड़ती है। इस दर्शन को अगर समय-पर समझ सकते तो शायद जर्मन तानाशाह हिटलर के अत्याचार से बहुत से लोगों को जीवन दिया जा सकता था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति हमारे स्वतः के अंतर्गत में संज्ञानात्मक रूप से जन्म की प्रक्रिया से ही शुरु हो जाती है। छोटा शिशु किसी वस्तु को देख कर जो प्रतिक्रिया करता है तथा बड़ा होने के बाद उसके प्रश्न क्या है?, क्यों है?, कैसे है?, आदि को जब हम समझा कर उसकी जिज्ञासा को शांत करते हैं तब वह प्रकृति के साथ स्वयं को आत्मसात करता है। एवं एक बेहतर सामाजिक व राजनीतिक की प्रक्रिया की शैली को अपनाता है।

देखने की प्रक्रिया हम अपने ज्ञान-चक्षु एवं अपनी इंद्रियों के द्वारा करते हैं परन्तु देखने का तात्पर्य जीवन में होता है कि प्रत्येक रूप से उस बिंदु पर पहुंचने या प्रकृति को समझने का किस प्रकार से दृष्टिकोण पैदा किया जा सकता है।

यह प्रश्न बाहरी प्रवृत्ति को आंतरिक प्रवृत्ति के साथ जोड़कर उसके दर्शन को प्रदर्शित करने का कार्य करती है।

प्रकृति परिवर्तन शाश्वत नियमों के अंतर्गत गतिशील है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

और यह गतिशीलता समाज, पर्यावरण, नैतिकता, मूल्य आदि पर व्यापक प्रभाव डालती है।

भारतीय संदर्भ में प्रकृति के आत्मसातीकरण को ज्ञान से जोड़ने एवं उस ज्ञान को विश्व बंधुत्व के साथ समाहित करने की चेष्टा की गई है।

"आ नो भद्रा क्रवतो यन्तु"

प्राकृतिक ज्ञान को सभी दिशाओं से ग्रहण करने की कामना एवं ज्ञान की असीम सीमा को विस्तार प्रदान करने की भारतीय संस्कृति अत्यंत प्राचीन है।

प्रश्न पूछना यानी जिज्ञासा का समाधान करना यह जिज्ञासा मानवीय ज्ञान के कोष को एक अनुकूल सामाजिक परिवेश के रूप में समाहित होने की चेष्टा करती है। तथा यह अनुकूलन सामाजिक कल्याण हेतु बेहतर अभिक्रिया के रूप में प्रकृति की समानता का पोषण करता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय लोकतंत्र में प्रश्न पूछने की लोकतांत्रिक शैली को भारतीय राजनीतिक स्थायित्व में भी शामिल किया गया है जिसमें संसद में प्रश्न काल, शून्य काल आदि जैसे नियम बनाए गये हैं जिससे कि संसद की कार्यवाही को चलायमान रखा जा सके।

प्रश्न पूछने से चेतना की अभिवृत्ति का विकास होता है यह चेतना ज्ञान को सकारात्मक नैतिकता में बदलती है यह नैतिकता व्यक्ति की स्थिति एवं प्राकृतिक संतुलन को बेहतर तरीके से परिलक्षित करने में योग देती है।

प्राचीन काल से ही प्रश्न पूछना तथा उसके उत्तरों के आधार पर प्रश्नों की प्रकृति को जाना गया। इससे ज्ञान को जोड़कर शिक्षा एवं संस्कृति से जोड़ा गया।

भारतीय शिक्षा व्यवस्था में प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

का द्वारपाल (सिक्योरिटी गार्ड) ही इतना विद्वान हुआ करता था कि आंतरिक शिक्षा पाठ्यक्रम की प्रकृति को जानने के आकांक्षी व्यक्तियों को गेट पर ही रोककर प्रश्न पूछता था कि कौन से दर्शन का अभिप्राय क्या हो सकता है प्रश्न एवं प्रकृति का सान्निध्य किस प्रकार का बोध कराता है? आदि।

अनुसंधान की प्रक्रिया में प्रश्न पूछने की शैली के आधार पर ही नहीं बल्कि देखकर एवं समझ कर उसकी प्रकृति को जानकर ही अनुसंधान को आगे बढ़ाया जा सकता है।

सहभागी अवलोकन अनुसंधान की एक ऐसी ही प्रक्रिया है जिसमें प्रश्न एवं देखने को ही पूर्ण नहीं समझा जाता ~~बल्कि~~ बल्कि जिस जगह पर समुदाय का अनुसंधान करना है उनके बीच स्वयं रहकर उनसे प्रश्न करके उनके क्रिया कलापों को देखकर, समझकर उनकी प्रकृति को समझा जाता है जिसके कारण वास्तविक प्रतिशत प्रतिफल सकारात्मक रूप से मिल पाता है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

देखना का सम्बन्ध अपना-अपना नजरिया भिन्न भी हो सकता है किसी व्यक्ति को गुलाब के पौधे में पुष्प नजर आता है तो किसी को कांटे। यह प्रवृत्ति पर निर्भर करता है कि व्यक्ति के अंतर्ज्ञान में किसी संरचनात्मक चेतना की विविधता का वास है।

देखने की सकारात्मकता एवं अपनाये गये नजरिये से लक्ष्य प्राप्ति में सहायता मिलती है।

महाभारत में अर्जुन को जहां मछली की आंख दिखाई देती है वहीं अन्य लोगों को अलग-अलग चीजें। यह उनकी देखने के सकारात्मक अभिव्यक्ति की व्याख्या है जो देखने की प्रवृत्ति को परिवर्तित करती है।

अचिंत्य भेदाभेदवाद एक लघु कहानी के रूप में एक हाथी एवं चार अन्धे (दिव्यांग) व्यक्तियों के वर्णन के माध्यम से प्रकृति को समझाने का प्रयास करती है कि —

P.T.O.

drishti

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh

Phone: 8750187501 :: **e-mail:** care@groupdrishti.in :: **Website:** www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बिना देखे भी किस प्रकार से प्रश्न पूछने की शैली से प्रकृति को समझकर उसके भेदों को जाना जा सकता है।

हम जो देखते हैं वह हमारी ज्ञानेंद्रियों के माध्यम से परिलक्षित होता है और यह क्षमता विभिन्न है तथा इस क्षमता के दर्शन का दृष्टिकोण इस रूप में व्यापक हो सकता है कि देखने के बाद हम स्वयं को किस प्रकार से संतुष्ट कर पाते हैं।

भारतीय न्यायिक प्रक्रिया में भी कहा जाता है कि कानून अंधा है, सिर्फ देखकर वह यह फैसला नहीं करता कि कोई व्यक्ति अपराधी है बल्कि अनेक जिरह, पूछ-ताछ, प्रश्न जवाबों की प्रक्रिया के आधार पर ही अपराध की प्रकृति को समझकर फैसला दिया

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जाता है। वर्षों से लिखी हुई किताब का आखिरी पेज आज भी प्रगतिशील मनुष्यों के असीम ज्ञान से गतिशील होता चला आ रहा है। वर्षों के तजुर्बे को मानव ने देखकर, सवालों के द्वार अनेक जवाब खोजें हैं जिसमें जीवन, पर्यावरण, सतत विकास एवं संतुलित दृष्टिकोण की प्रकृति शामिल है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: **e-mail:** care@groupdrishti.in :: **Website:** www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation